



भारत का गज़त

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 184]

नई दिल्ली, भूहस्तिवार, जून 22, 1978/आषाढ़ 1, 1900

No. 184]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 22, 1978/ASADHA 1, 1900

इस भाग में मिलन पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, 22 जून, 1978.

केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क

सांकेतिक 332(प्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क और नमक व्यवस्था, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अधिकतः—

1. इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क (वस्त्रा संशोधन) नियम, 1978 है।

2. केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 में, अध्याय 5 में,—

(1) नियम 92-वा में—

(i) उपनियम (2) और (2क) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखे जाएँगे, अध्याय 5 में—

(2) उपनियम (1) के अधीन देय राशि का परिकलन विनियम 92वा के अधीन दिए गए आवेदन में घोषित और खाण्डसारी चीनी के उत्पादन के लिए लगाए गए सेन्ट्रीफ्यूगलों की सख्ता और आकार पर समुचित दर लागू करके किया जाएगा और पूर्णक राशि उसी तारीख से सदैय होगी जिस तारीख को घोषित किया गए और

लगाए गए सेन्ट्रीफ्यूगल मौसम के दौरान विनियम कार्य प्रारम्भ कर देते हैं और उस तारीख तक सदैय होगी जिस तारीख को उस मौसम में सेन्ट्रीफ्यूगल थदू हो जाते हैं।

सांकेतिक 332(प्र).—इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए—

(क) “मौसम” की गणना, नवम्बर के प्रथम दिन से ठीक आगामी वर्ष के जून के तीमवे दिन तक और आगामी जूलाई के प्रथम दिन से उस वर्ष के अक्टूबर के इकस्तीमवे दिन तक की जाएगी;

(ख) खाण्डसारी चीनी का उत्पादन करने वाले किसी एकक के प्राप्ति देने के दायित्व का परिकलन करते समय वह प्रवृत्ति अपवर्जित कर दी जाएगी जिसकी बाबत कलकटर का समाधान हो जाता है कि घोषित किया गया या लगाया गया वोई सेन्ट्रीफ्यूगल उस प्रवृत्ति के दौरान बन्द रहा या उसे खोल डाला गया था;

(ii) उपनियम (3) में “विनियम कार्य” शब्द से पूर्व “पूर्णतः या अंशतः” शब्द अन्त स्थापित किए जाएंगे;

(2) नियम 92-वा में “17” अंकों के स्थान पर “45, 47” अंक रखे जाएंगे।

[सं. 134/78-केन्द्रीय उत्पादनगुल्क/फ.०मं. 14/28/77-केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क-1]

श्री० प्रसाद, प्रब्र. सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd June, 1978

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 332(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. These rules may be called the Central Excise (Tenth Amendment) Rules, 1978.

2. In the Central Excise Rules, 1944, in Chapter V,—
41) in rule 92-B—

(i) for sub-rules (2) and (2A), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

(2) The sum payable under sub-rule (1) shall be calculated by applying the appropriate rate to the number and size of centrifugals, declared by the manufacturer in the application made by him under rule 92C and installed by him for the manufacture of Khandari Sugar and the sum

aforesaid shall be payable from the date on which the centrifugal, declared and installed, commence manufacturing operation during the season to the date on which the centrifugals close down in that season.

Explanation :—For the purposes of this sub-rule—

(a) “season” shall be reckoned from the 1st day of November to the 30th day of June of the year next following; and from the 1st day of July next following to the 31st day of October of that year;

(b) in computing the liability of any unit producing Khandari Sugar for duty, the period which the Collector is satisfied that any declared and installed centrifugals had remained closed or dismantled, shall be excluded;

(ii) in sub-rule (3), after the words “manufacturing operations”, the words “fully or partially” shall be inserted;

(2) in rule 92D, for the figures “47”, the figures “45, 47” shall be substituted.

[No. 134/78-CE/F. No. 14/28/77 CX. 1]

B. PROSAD, Under Secy.